सांध्य दैनिक

4PM

बिना किसी शक के मशीनों ने समृद्ध आलसियों की संख्या बहुत अधिक बढ़ा दी है।
-कार्ल मार्क्स

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 237 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 4 अक्टूबर, 2025

आज होगी चयन समिति की... 7 | कांग्रेस पूरे देश में फिर जुटाएगी... 3 | आठ अक्टूबर को बरेली जाएंगे सपा... 2

भारत में डेमोक्रेसी इन डैंजर जोन!

राहुल का वार- मीडिया में भय, जांच एजेंसियां बन चुकी है राजनीतिक औजार

एलओपी के आरोपों के शोर से पूरी दुनिया में राजनीतिक तहलका

» कोलंबिया यूनिवर्सिटी में शांति के साथ कहे गये तीन शब्दों की पूरी दुनिया में गूंज

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) राहुल गांधी के भाषण पर वर्ल्ड पालिटिक्स ने रिएक्ट किया है और उनकी बातों पर चिंता जाहिर की है।

वही देश में सत्ताधारी बीजेपी ने उल्टे उनके राजनीतिक कैरियर पर सवाल खड़े कर दिये हैं और कहा है कि खतरे में लोकतंत्र नहीं बल्कि राहुल गांधी का पालिटिक्स कैरियर है। राहुल गांधी का यह बयान सोनम वांगचुक कंट्रोवर्सी के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा है कि विरोध करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को देशद्रोही बताया जा रहा है। बयान से सियासी खलबली मच गयी है।

कोलंबिया भाषण और लोकतंत्र पर मंडराता साया

कोलंबिया यूनिवर्सिटी का सभागार खचाखच भरा था और मंच पर खड़े थे राहुल गांधी। राहुल गांधी की आवाज में न तो कोई आक्रोश था और न ही कोई बनावट पर उनके कहे गये शब्दों में तीखी बेचैनी थी। उन्होंने भाषण देते हुए कहा कि भारत में लोकतंत्र अब कुछ हाथों में सिमट गया है। संवैधानिक संस्थाएं धीरे-धीरे कब्जे में जी जा रही हैं और असहमति को अपराध बना दिया गया है। यह वाक्य उन्होंने जैसे ही बोले कमरे में एक ठहराव सा छा गया। कैमरों के लेंस उनके चेहरे पर टिक गए। और अगले ही घंटे में यह बयान सोशल मीडिया और न्यूजरूमों की दीवारों को तोड़ता हुआ पूरी दुनिय में फैल गया कि भारत में लोकतंत्र खतरे में हैं। यह सिर्फ एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं था बल्कि एक चेतावनी थी कि भारत उस मोड़ पर खड़ा है जहां लोकतंत्र और प्रचार, संविधान और सत्ता, नागरिक और नौकरशाही सबके बीच की रेखाएं धुंधली होती जा रही हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि संसद में विपक्ष की आवाज को दबा दिया गया है। मीडिया भय में जी रहा है। और जांच एजेंसियां राजनीतिक औजार बन चुकी हैं। उनकी यह बात उस समय आई जब देश में लगातार ईडी, सीबीआई और आईटी की कार्रवाइयां विपक्षी नेताओं पर हो रही हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में गिरफ्तार नेताओं की सूची लम्बी होती जा रही है।

महज वोट डालना लोकतंत्र नहीं

सरकार और विपक्ष के बीच तकरार होती है लेकिन तकरार यहां तक पहुंच जाएगी इस बात का अंदाजा नहीं था। मौजूदा तकरार को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि हाल के वर्षों में न्यायपालिका, मीडिया और निर्वाचन आयोग पर किस तरह से जनता का भरोसा डगमगाया है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन लोकुर ने कहा था कि लोकतंत्र केवल वोट डालने का नाम नहीं है। यह नागरिक की आवाज के सम्मान पर टिका है।

विदेशी मीडिया ने गंभीरता से लिया

राहुल गांधी के बयान को अमेरिकी और यूरोपीय मीडिया ने गंभीरता से लिया है। पूरी दुनिया में राहुल गांधी के बयान के आधार पर खबरें लिखी जा रही है। अमेरिका का जार्जियन हो या फिर वाशिंगटन पोस्ट। सभी अखबार राहुल गांधी के बयान की खबरों से भरे पड़े हैं। जार्जियन ने लिखा है कि भारत जो कभी दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता था अब भय और नियंत्रण के बीच झूल रहा है। वहीं वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा है कि भारत की असहमति की परंपरा को अब विरोधी शब्द से बदला जा रहा है।

राहुल गांधी को मिल रहा है समर्थन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन बंसल ने राहुल गांधी के हालिया बयानों का समर्थन करते हुए कहा कि उनके द्वारा विदेश में उठाए गए मुद्दों से सरकार को सबक लेना चाहिए। पवन बंसल ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने लोकतंत्र के खतरे में होने की बात कही है तो यह आज की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है। लोकतंत्र की स्थिति ठीक नहीं है। वोटों की चोरी हो रही है लाखों लोगों को मतदान का अधिकार नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि संसद ठीक से नहीं चल रही विधेयकों पर चर्चा नहीं हो रही और न ही वे पारित हो रहे। राहुल गांधी ने जो कुछ विदेश में कहा वह गलत नहीं है बल्कि देश में असुरक्षा का माहौल और संस्थानों की खराब स्थिति इसका प्रमाण है।

बीजेपी का पलटवार

भाजपा ने उनके बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि राहुल गांधी विदेशी धरती से भारत की बदनामी करने में लगे हैं। उन्हें लोकतंत्र की चिंता नहीं बल्कि सत्ता की भूख है जो उन्हें बेचैन कर रही है और ऐसे बयान दिलावा रही है। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में नहीं है, बल्कि कांग्रेस पार्टी संकट में है। राहुल गांधी अपनी पार्टी के संकट को छिपाने के लिए वैश्विक मंचों पर जाकर भारत को बदनाम करते हैं और झूठ फैलाते हैं कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। भारत में लोकतंत्र मजबूती से फल-फूल रहा है और नागरिक गर्व के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हिस्सा ले रहे हैं।

आठ अक्टूबर को बरेली जाएंगे सपा प्रमुख

अखिलेश यादव घटना की लेंगे जानकारी, आजम खां से भी मिलेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आठ अक्तूबर को लखनऊ से बरेली होते हुए रामपुर जाएंगे। वे बरेली में पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ ही लाठीचार्ज से प्रभावित मुस्लिम परिवारों से भी मिलेंगे। अखिलेश का 8 अक्तूबर को रामपुर जाने का कार्यक्र म पहले ही जारी हो चुका है। वे वहां सपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से मिलेंगे।

सपा सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश सड़क मार्ग से सीतापुर होते हुए रामपुर जाएंगे। बीच में बरेली में कुछ देर रुककर अपनी पार्टी के नेताओं से मुलाकात करेंगे। हाल ही में वहां लाठीचार्ज से प्रभावित लोगों और उनके परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी लेंगे। सपा की ओर से जारी विज्ञप्ति में जानकारी दी गई है कि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, सपा सांसद हरेंद्र मलिक, इकरा हसन, जियाउर्रहमान बर्क, मोहिब्बुल्लाह व नीरज मौर्य और पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव

व प्रवीण सिंह ऐरन 4 अक्तूबर को पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। उनकी समस्याओं के निदान के लिए बरेली के डीआईजी और कमिश्नर से भी मिलेंगे।

सपा की पीडीए पाठशाला में ए से अखिलेश और डी से डिंपल पढ़ाते हैं : राजभर

लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी पार्टी की पीडीए पाठशाला पर यूपी के मंत्री ओपी राजभर ने तंज कसा। उन्होंने कहा, ये किस पीडीए की बात कर रहे हैं? पीडीए का मतलब है परिवार विकास प्राधिकरण। इन लोगों ने पीडीए पाठशाला शुरू की है, जहां वे ए से अखिलेश, डी से डिंपल और पी से परिवार पढ़ाते हैं। राजभर, प्रजापति, पाल, चौहान, लोहार, विश्वकर्मा, निषाद, बिंद, केवट, मल्लाह, कश्यप, अरकवंशी, बंजारा, बहेलिया, मौर्य, सैनी, माली, कुशवाहा कहां जाएंगे? किस्मत के नाम पर पिछड़ों का खून चूसा गया है। अब ये नहीं चलेगा।

सपा प्रतिनिधिमंडल के बरेली जाने पर रोक

» माता प्रसाद पांडेय के घर के बाहर पुलिस तैनात, बर्क हाउस अरेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को बरेली जाने वाला था, लेकिन प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। लखनऊ में माता प्रसाद पांडेय के आवास के बाहर पुलिस तैनात की गई है।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा, हमें जाने से रोका जा रहा है। यह कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं था। पुलिस ने खुद ही कानून व्यवस्था की स्थिति को बर्बाद कर दिया है, वे पक्षपाती हो गए हैं। अगर दो समुदाय आपस में भिड़ गए होते, तो मैं मान लेता कि कोई गंभीर घटना हुई होती। जब हमने पुलिस से पूछा, तो वे कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे रहे थे। उधर, संभल में सपा सांसद

जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर नखासा व रायसत्ती दो थानों की पुलिस तैनात की गई है। पुलिस सांसद के घर के बाहर मौजूद है। सपा सांसद को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। बता दें कि 26 सितंबर को बरेली में उपद्रव हुआ था।

आई लव मोहम्मद मामले को लेकर बवाल हो गया था। पुलिस ने जमी भीड़ पर लाठीचार्ज भी किया था। हिंसा में मौलाना तौकीर रजा का नाम सामने आया तो वह गिरफ्तार हुआ। उसके करीबियों पर भी कार्रवाई जारी है। पुलिस इस मामले में लगातार एक्शन ले रही है।

'बरेली में समुदाय विशेष को निशाना बना रही सरकार'

» हाउस अरेस्ट करने पर भड़के नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर के बरेली कूच की खबर पर पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। तीन सीओ की अगुवाई में कई थानों की पुलिस उनके आवास की घेराबंदी किए रही। घर तक जाने वाले रास्तों पर भी बैरिकेड्स लगाए गए थे। तीन बजे सांसद द्वारा बरेली दौरा स्थगित करने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।

इस दौरान सांसद ने कहा कि बरेली में सरकार एक समुदाय विशेष को निशाना बना रही है। उन्होंने बरेली हिंसा की सीबीआई जांच की मांग की। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने अपने एक्स अकाउंट पर बरेली दौरे को लेकर पोस्ट की थी। इसके बाद बुधवार रात से ही उनके हरिजन कॉलोनी स्थित आवास को पुलिस ने छावनी में तब्दील कर दिया था। सीओ सिटी प्रथम मुनीष चंद, सीओ सदर प्रिया यादव और सीओ एलआईयू संजय कुमार छुटमलपुर पहुंचे और सांसद से बरेली दौरा रद्द करने का अनुरोध किया। सांसद ने इसके लिए स्पष्ट मना कर दिया। उन्होंने कहा कि भले ही वह एक गाड़ी लेकर जाएं, लेकिन बरेली जरूर जाएंगे। घंटों की वार्ता के बाद अधिकारियों ने सांसद की बात फोन से बरेली डीएम और एसएसपी से कराई। उसके बाद दोपहर बाद तीन बजे उन्होंने बरेली दौरा स्थगित करने की बात कही। इसके बाद ज्यादातर पुलिस हटा ली गई।

बरेली दौरा स्थगित किया है, रद्द नहीं

इस दौरान सांसद ने कहा कि उन्होंने बरेली दौरा स्थगित किया है, रद्द नहीं। वह हर सूरत में बरेली में अपने पीड़ित भाइयों से मिलने जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार एक समुदाय विशेष के लोगों को निशाना बना रही है। इससे उनके मन में भय का माहौल है। उन्होंने सवाल किया कि जिन लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाया गया है, यदि वे जांच में निर्दोष पाए गए तो फिर क्या सरकार उनकी भरपाई कर सकेगी। इससे पहले सांसद को हाउस अरेस्ट करने की खबर पर सैकड़ों की संख्या में उनके समर्थक उसके आवास पर जुट गए थे।

कुछ तो गड़बड़ है, ऑपरेशन सिंदूर पर बार-बार बयान क्यूं: अजय राय

» कांग्रेस नेता सरकार और सशस्त्र बलों के दावों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने को फिर से ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी ने सरकार और सशस्त्र बलों के ऑपरेशन 'सिंदूर' को लेकर किए गए दावों पर सवाल उठाए है। पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कुछ गड़बड़ है। राय ने कहा, लोगों और मीडिया को बार-बार बयान और स्पष्टीकरण देने की कोशिशों का क्या मतलब है, कुछ गड़बड़ जरूर है।

प्रधानमंत्री को चाहिए कि वह देश के सामने पूरे तथ्य रखें और इस मामले को हमेशा के लिए सुलझाएं। अजय राय ने कहा, सीडीएस और सशस्त्र बलों के प्रमुखों द्वारा अलग-अलग बयान दिए जाने से शक और बढ़ गया है।

अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री

जनता के सामने पूरी सच्चाई साझा करें। राय के बयान ऐसे समय में आए हैं जब एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने शुक्रवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की सेनाओं पर कहर बरपाया, और इसके दौरान उनके प्रमुख लड़ाकू विमानों, जिनमें अमेरिकी स्न-16 और चीनी छ-17 शामिल थे, नष्ट हो गए। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के पास कम से कम एक एयरबोर्न अर्ली वार्निंग और कंट्रोल विमान पर लंबी दूरी की स्ट्राइक और चार-पांच लड़ाकू विमानों पर हमले के सबूत हैं।

राहुल की पोस्टर लगाकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा और विपक्ष के बीच होर्डिंग वार जारी है। राजधानी लखनऊ में एक बार फिर एक होर्डिंग सामने आई है। यह होर्डिंग कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगाई गई है। इसमें राहुल गांधी को राम और सरकार को रावण दिखाया गया है। यूपी की राजनीति में होर्डिंग और पोस्टर से पार्टियां एक-दूसरे पर निशाना साधते नजर आती हैं। अब दशहरा पर्व पर कांग्रेस कार्यालय के बाहर एक होर्डिंग लगाई गई है। इसमें राहुल गांधी को श्रीराम के रूप में दिखाया गया है। उनके हाथ में एक धनुष है, जिसके तरकस में बाण हैं। जैसे अभी संधान होने वाला है। सामने रावण की तस्वीर है। रावण के रूप में परोक्ष रूप से केंद्र सरकार को दिखाया गया है। इनके दस सिरों में अलग-अलग विभागों के नाम लिखे गए हैं। मुख्य चेहरे पर वोट चोर लिखा गया है। तस्वीर को लोग अपने-अपने नजरिए से देख रहे हैं। माल एवेन्यू स्थित, कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगी यह होर्डिंग एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष आर्यन मिश्रा द्वारा लाई गई है। इस तस्वीर में कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लक्ष्मण के रूप में दिखाया गया है।

डरी और घबराई हुई है यूपी सरकार: प्रियंका

» सपा डेलीगेशन को रोके जाने पर भड़कीं शिवसेना सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रियंका चतुर्वेदी ने सपा डेलीगेशन को रोके जाने पर कहा कि जिस तरह से उत्तर प्रदेश सरकार डरी हुई और घबराई हुई है और मनमाने ढंग से काम कर रही है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। वे चुने हुए प्रतिनिधि हैं। ये उत्तर प्रदेश की जनता से चुनकर आए लोग है जो उनका नेतृत्व करते हैं कि वो संसद में उनकी बात रखे। आज अगर यूपी के किसी भी हिस्से में हिंसा हो रही है अन्याय हो रहा है, ग़लत काम हो रहा है तो ये उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वो उसे देखे। वो कानून-व्यवस्था में खलल नहीं डाल रहे हैं और न गैर क़ानूनी काम कर रहे हैं लेकिन, फिर भी उन्हें रोका जा रहा है यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुझे लगता है कि ये सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह की तानाशाही है, वही यहां दिख रही हैं। यूपी में लोगों को सांत्वना देना, उनके दुख दर्द समझना कब से गलत हो गया? कानून व्यवस्था खराब करने की बात नहीं है। मुझे उम्मीद है कि उन्हें वहां जाने दिया जाएगा और इस तरह की पाबंदी चुने हुए प्रतिनिधियों पर न लगाई जाएगी।

आरएसएस भारत को बनाना चाहती है हिन्दू पाकिस्तान: उद्धव ठाकरे

» शिवसेना यूबीटी ने सामना में मोदी सरकार को भी घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 साल पूरे होने के अवसर पर देशभर में संघ द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं शिवसेना के मुखपत्र ने इस पर सवाल उठाए हैं। सामना में छपे लेख ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के डीएनए और उसकी विचारधारा पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

पत्र में दावा किया गया है कि संघ के राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की अवधारणा पर एक बार फिर से की सख्त आवश्यकता है। सामना ने यह भी जोर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद के राष्ट्र निर्माण में संघ की भूमिका नगण्य रही, बावजूद इसके आज संघ आजादी और राष्ट्रवाद पर भाषण दे रहा है। यह सवाल खड़ा करता है कि क्या संघ के विचार और उसके एजेंडे में

लोकतंत्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रति सम्मान है या नहीं। सामना के अनुसार, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में संघ का योगदान लगभग शून्य रहा। आजादी के लिए उठाए गए आंदोलनों और संघर्षों में संघ कहीं दिखाई नहीं दिया, फिर भी संघ और इसके नेताओं ने आजादी और राष्ट्रवाद पर भाषण देने का अधिकार ठहरा रखा है। लेख में यह भी कहा कि पीएम मोदी- गृह मंत्री अमित शाह के शासन की तारीफ करने के लिए संघ ने कायर और भाड़े के लोगों की बड़ी फौज तैयार कर रखी है, जिसमें स्वयं मोहन भागवत भी शामिल हो गए हैं।

कांग्रेस पूरे देश में फिर जुटाएगी ताकत

हरियाणा में बदले पुराने समीकरण, चुनावी राज्यों व पंजाब पर निगाहें

- राहुल-खरगे ने संभाला मोर्चा
- राज्यों के दौरे पर निकला शीर्ष नेतृत्व
- कांग्रेस ने अपने संगठन में किए बड़े बदलाव
- सोशल इंजीनियरिंग पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। लोक सभा चुनावों से उत्साहित भाजपा नीत गठबंधन एनडीए को हर प्रदेश में मात देने की योजना बनाने लगी है। इसी क्रम में पहले इस साल या अगले साल होने वाले विस चुनावों के मद्देनजर शीर्ष नेतृत्व बंगाल, बिहार, गुजरात में जहां पार्टी का बेहतर करने में लगी है वहीं मप्र, यूपी व हरियाणा में भी संगठन में जान फूंकने की कवायद कर रही है। कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा में अपने संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। ये बदलाव काफी समय से रुके हुए थे। पार्टी ने अब जाट-दलित के पुराने समीकरण को छोड़ दिया है। इसकी जगह अब जाट-(यादव) समीकरण पर दांव लगाया है।

दक्षिण हरियाणा के अहीरवाल इलाके से आने वाले वरिष्ठ नेता राव नरेंद्र सिंह को प्रदेश कांग्रेस कमिटी का नया अध्यक्ष बनाया गया है। वह पहले स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं। वहीं, दो बार मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को विधानसभा में विधायक दल का नेता बनाया गया है। कांग्रेस ने यह कदम अपने संगठन को फिर से सक्रिय करने के लिए उठाया है। इसका मकसद अलग-अलग जातियों के बीच संतुलन बनाना भी है। पार्टी 11 साल से सत्ता से बाहर है। BJP से मुकाबला करने के लिए ये बदलाव बहुत जरूरी माने जा रहे हैं। राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस ने एक साफ संदेश दिया है। पार्टी यादव समुदाय को नेतृत्व में खास महत्व दे रही है। 80 के दशक में राव निहाल सिंह के बाद, यह पहली बार है जब किसी यादव नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। अहीरवाल बेल्ट में कई महत्वपूर्ण जिले आते हैं। इनमें फरीदाबाद, पलवल, मेवात, गुड़गांव, रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ शामिल हैं। इन जिलों में करीब 25 विधानसभा सीटें हैं। ये सीटें राज्य की राजनीति में बहुत अहम मानी जाती हैं। पिछले दो चुनावों में इस इलाके में कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहा था। इसलिए पार्टी ने यादव वोटरों को अपनी तरफ खींचने के लिए राव नरेंद्र सिंह पर भरोसा जताया है। राव नरेंद्र सिंह तीन बार विधायक रह चुके हैं। उनकी छवि एक जमीनी नेता की है। क्षेत्र में उनका लोगों के बीच मजबूत आधार माना जाता है।

हरियाणा कांग्रेस का इतिहास हमेशा गुटबाजी से भरा रहा

हरियाणा कांग्रेस का इतिहास हमेशा गुटबाजी से भरा रहा है। भजनलाल के समय तक पार्टी का संगठन मजबूत माना जाता था। लेकिन उनके बाद अध्यक्ष पद पर जातीय प्रतिनिधित्व के नाम पर लगातार नए-नए प्रयोग हुए। फूलचंद मुलाना, अशोक तंवर, कुमारी सैलजा और उदयभान जैसे नेता अध्यक्ष बने। इन प्रयोगों से अलग-अलग वर्गों को नेतृत्व का मौका तो मिला। लेकिन गुटबाजी की वजह से कांग्रेस लगातार कमजोर होती गई। आज बीजेपी हरियाणा की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। कांग्रेस पिछले 11 साल से सत्ता से बाहर है। यह स्थिति पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती है।

हरियाणा की मौजूदा स्थिति को पंजाब से जोड़ा

हरियाणा की मौजूदा स्थिति को पंजाब से जोड़कर भी देखा जा सकता है। हरियाणा में इंडियन नैशनल लोकदल एक मजबूत पार्टी थी। ठीक वैसे ही पंजाब में अकाली दल का दबदबा था। लेकिन कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान ने दोनों ही राज्यों में तीसरी ताकत को आगे बढ़ने का मौका दे दिया। हरियाणा कांग्रेस में 11 साल से संगठन का विस्तार अटका हुआ था। राहुल गांधी ने जून में राज्य का दौरा किया था। उस दौरान उन्होंने संगठन को फिर से बनाने पर जोर दिया था। राव नरेंद्र सिंह की नियुक्ति इसी प्रक्रिया का अगला कदम है। यह दिखाता है कि पार्टी अब संगठन को मजबूत करने के लिए गंभीर है।

काफी समय से विधायक दल के नेता का पद खाली पड़ा था

काफी समय से विधायक दल के नेता का पद खाली पड़ा था। इस पद पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा की नियुक्ति भी जातीय समीकरण का एक हिस्सा है। जाट समुदाय में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की गहरी पकड़ है। वह लंबे समय से इस पद के लिए दावेदार भी रहे हैं। कांग्रेस ने संगठन में यादवों को महत्व दिया है। वहीं, विधानसभा में जाटों को महत्व दिया है। इस तरह पार्टी ने दो बड़े समुदायों को संतुलित करने की कोशिश की है। यह रणनीति कांग्रेस को हरियाणा में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद कर सकती है।

कांग्रेस के सामने कई चुनौतियां अभी भी

राव नरेंद्र सिंह की नियुक्ति के बाद भी कांग्रेस के सामने कई चुनौतियां हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय यादव ने नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति पर नाराजगी जताई है। अब कांग्रेस के सामने पहली बड़ी चुनौती गुटबाजी को रोकना है। दूसरी चुनौती सामाजिक संतुलन साधने की है। पार्टी को सिर्फ यादव और जाटों को ही नहीं, बल्कि दलित, पिछड़े और शहरी वोटरों को भी अपने साथ जोड़ना होगा। तीसरी और सबसे बड़ी चुनौती भाजपा से मुकाबला करना है। कांग्रेस को सत्ता से बाहर रहने के इस लंबे सिलसिले को तोड़ना होगा। तभी वह हरियाणा में अपनी खोई हुई जमीन वापस पा सकती है। ये बदलाव कांग्रेस के लिए एक नई शुरुआत हो सकते हैं, लेकिन राह आसान नहीं है।

शिवसेना यूबीटी की दशहरा सभा पर सियासी रार

भाजपा ने शिवसेना यूबीटी प्रमुख पर साधा निशाना

- उद्धव ठाकरे ने कहा- भगवा शॉल ओढ़े गधे की तस्वीर दिख रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी की दशहरा सभा पर सियासी रार बना हुआ। भाजपा ने इसे रोने धोने वाला मंच बताया है तो शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे की दशहरा सभा को महायुति गठबंधन को उखाड़ फेंकने वाल सभा स्थल कहा। उद्धव ठाकरे ने दशहरा के दिन अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं सभी को दशहरा और विजयादशमी की शुभकामनाएं देता हूं। मैंने कितनी बार कहा है कि जो लोग अपना जीवन देते हैं, वही जीवन का असली सोना हैं। इसीलिए कई पार्टियां हमारी शिवसेना को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। उन्हें लगता है कि उन्होंने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। ऐसे लोगों को मैं बता दूं कि जो उन्होंने अपहरण किया वह पीतल था, सोना मेरे पास ही है। दरअसल उनका यह बयान बीजेपी और एकनाथ शिंदे को लेकर था।

उद्धव ने गधा कह मचाया बवाल

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि आज घर से आते हुए मैं इधर-उधर देख रहा था। बाघ की खाल ओढ़े भेड़िये की कहानी तो हम जानते ही हैं। लेकिन आज पहली बार बालासाहेब की भगवा शॉल ओढ़े एक गधे की तस्वीर देखी। गधे को चाहे जितनी शॉलें पहना दो गधा तो गधा ही रहता है। जैसा कि संजय राउत ने कहा, यह गधा अमित शाह के जूतों का बोझ ढो रहा है। उसके जूते उसके लिए वरदान बन जाएं। जनता एक दिन उसे भी मार डालेगी, वह दिन दूर नहीं।

कदम ने विपक्ष से अपील की

आरएसएस को लेकर राम कदम ने कहा कि संघ पोर्टल है, जो राष्ट्र को प्रथम रखने की सीख देता है। आपदा, विपत्ति या त्रासदी में सबसे पहले साहसी फौज पहुंचती है, उसके साथ संघ के स्वयंसेवक। वे किरदार निभाते हैं, लेकिन परदे पर नहीं आते। त्यागपूर्ण जीवन जीते हैं। उन्होंने उत्तर-पूर्व के नक्सल प्रभावित इलाकों का उदाहरण दिया, जहां संघ के सेवक जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। वहीं, कदम ने विपक्ष से अपील की कि केवल खुन्नस के लिए विरोध न करें। एक बार संघ की शाखा में जाकर देखें। बिना अध्ययन के विरोध सिर्फ खुन्नस के लिए होता है।

उद्धव ठाकरे की दशहरा रैली का मतलब सिर्फ रोने-धोने का प्रोग्राम : राम कदम

दशहरा पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की रैली को लेकर बीजेपी नेता राम कदम ने कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रैली को रोने-धोने का कार्यक्रम करार दिया और कहा कि उद्धव ठाकरे के पास कोई नया मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में सिर्फ पुराने शब्द जैसे गद्दार और खंजर जैसे शब्द ही दोहराए जाएंगे। मुंबई-महाराष्ट्र को तोड़ने की बातें होंगी, लेकिन आज सवाल यह है कि इन लोगों ने किसानों को क्या दिया? इसके अलावा इस रैली में प्रधानमंत्री और एकनाथ शिंदे पर ही टिप्पणी होगी।

उद्धव के किसान मुद्दे पर तंज

राम कदम ने उद्धव के किसान मुद्दे पर तंज कसते हुए कहा कि जब वे मुख्यमंत्री थे, तब किसानों से मिलने गए लेकिन रेड कार्पेट बिछाया ताकि मिट्टी उनके पैरों पर न लगे। हाथ तक नहीं मिलाया, क्योंकि हाइजीन का बहाना था। ऐसे व्यक्ति हमें क्या सिखाएंगे? उन्होंने रैली को विपक्ष की हताशा का प्रतीक बताया और कहा कि यह बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए फंड रीडायरेक्ट करने का समय है, न कि राजनीतिक नाटक का। भाजपा ने पहले ही मांग की है कि रैली रद्द कर फंड बाढ़ पीड़ितों के लिए इस्तेमाल किया जाए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गांधी के विचार सदा हैं सदा रहेंगे

ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

पछले 11 साल में ऐसा देखने को मिल रहा है कि एक खास विचारधारा को मानने वाले कुछ लोग महात्मा गांधी की छवि धूमिल करन की कोशिश कर रहे हैं। जो कहीं न कहीं अनुचित है। वे ये नहीं जानते कि गांधी एक विचार हैं। उन्हें मारा नहीं जा सकता है। वह सदा हैं और सदा रहेंगे। सरकारों को चाहिए कि ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करें जो गांधी की मुर्तियों को नुकसान पहुंचा रहे है। ये लोग भारत में ही नहीं विदेशों में भी कुकृत्य कर रहें हैं भारत सरकार को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए। बता दें लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले।

यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र साधना की एक सदी

नरेंद्र मोदी

सौ वर्ष पूर्व विजयादशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था, जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए, नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने को मिल रहा है। मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्श परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं। जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं।

जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती है, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती है, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण, महिला सशक्तीकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है। विविध क्षेत्र में काम करने वाले हर संगठन का उद्देश्य एक ही है, भाव एक ही है... राष्ट्र प्रथम। अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रास्ता चुना और इसके लिए जो कार्यपद्धति चुनी, वो थी नित्य-नियमित चलने वाली शाखाएं। संघ शाखा का मैदान, एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां से स्वयंसेवक की अहम से वयं की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं।

राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। इन्हीं स्तंभों पर खड़े होकर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को गढ़ा, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ा रहे हैं। संघ जब से अस्तित्व में आया... संघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी अपनी प्राथमिकता रही। आजादी की लड़ाई के

समय परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया, डॉक्टर साहब कई बार जेल तक गए। आजादी की लड़ाई में कितने ही स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहा... उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा। आजादी के बाद भी संघ निरंतर राष्ट्र साधना में लगा रहा। इस यात्रा में संघ के खिलाफ साजिशें भी हुईं, संघ को कुचलने का प्रयास भी हुआ। ऋषितुल्य परम पूज्य गुरु जी को झूठे केस में फंसाया गया। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया। क्योंकि वो जानते हैं, हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थित प्रज्ञ रखा है, समाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है। प्रारंभ से संघ... राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया, तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। हर आपदा में संघ के स्वयंसेवक अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े रहते रहे। यह केवल राहत नहीं थी, यह राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का कार्य था। खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना... ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। आज भी प्राकृतिक आपदा में हर जगह स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक रहते हैं। अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगाया... स्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है... जो दुर्गम हैं... जहां पहुंचना सबसे कठिन है। संघ... दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है... अपना कर्तव्य निभा रहा है।

आज सेवा भारती... विद्या भारती, एकल विद्यालय... वनवासी कल्याण आश्रम... आदिवासी समाज के सशक्तीकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं। समाज में सदियों से घर कर चुकी जो बीमारियां हैं, जो ऊंच-नीच की भावना है, जो कुप्रथाएं हैं, ये हिन्दू समाज की बहुत बड़ी चुनौती रही हैं। ये एक ऐसी गंभीर चिंता है, जिस पर संघ लगातार काम करता रहा है। डॉक्टर साहब से लेकर आज तक, संघ की हर महान विभूति ने, हर सर-संघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। परम पूज्य गुरु जी ने निरंतर 'न हिन्दू पतितो भवेत?' की भावना को आगे बढ़ाया।

सत्ता संघर्ष में एर्दोआन के उत्तराधिकारी का प्रश्न

पुष्परंजन

एर्दोआन खैरियत से नहीं हैं। एर्दोआन के करीबी लोगों में, उनके बाद के भविष्य को लेकर बहस फिर से तेज हो गई है। हालांकि पार्टी का एक हिस्सा दावा करता है कि राष्ट्रपति रेजेप तैय्यिप एर्दोआन खुद 2028 में पद छोड़ने का इरादा नहीं रखते, लेकिन पार्टी की अंदरूनी स्थिति उबाल पर है। वर्ष 2017 में एक जनमत संग्रह के बाद, तुर्की की सरकार संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली में बदल गई। तुर्की में संभावित उत्तराधिकारियों के नाम तेजी से चर्चा में आ रहे हैं। हकान फिदान 2010 से 2023 तक तुर्की खुफिया एजेंसी के प्रमुख रहे हैं और अब विदेश मंत्री हैं। वह एर्दोआन के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक हैं, लेकिन राष्ट्रपति परिवार में उन्हें लेकर थोड़ी सावधानी बरती जाती है। इब्राहिम कालिन 2014 से तुर्की राष्ट्रपति के प्रेस सचिव और 2023 से राष्ट्रीय खुफ़िया एजेंसी के प्रमुख हैं। उन्हें एक बुद्धिजीवी और शासन के सबसे करीबी विचारकों में से एक माना जाता है।

बिलाल एर्दोआन राष्ट्रपति के बेटे हैं, मुख्य 'वंशवादी' उत्तराधिकारी और अखिल तुर्कवाद के दूत के रूप में दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी छवि कमजोर है। उनका अतीत निंदनीय रहा है, खासकर 2013 के 'टेलीफोन रिकॉर्ड' के दौरान 'लाखों लोगों के लापता होने के मामले' को लेकर। सेल्कुक बयारकतार एर्दोआन के दामाद हैं, जो बयारकतार ड्रोन के डिजाइनर हैं। वे तुर्की राष्ट्रवादियों के प्रतीक हैं। बेरात अल्बयारक एक और दामाद हैं, जो पूर्व वित्त और ऊर्जा मंत्री हैं, जिनके कार्यकाल में तुर्की में संकट शुरू हुआ था। लेकिन आर्थिक विफलता और घोटालों के बाद, उन्हें अपना पद खोना पड़ा। सुलेमान सोयलू एक पूर्व गृह मंत्री हैं जो सुरक्षा हलकों में प्रभावशाली हैं। लेकिन पेकर के घोटालों और आरोपों ने उनकी दावेदारी बहुत कमजोर कर दी। विदेश मंत्री हकान फिदान रूस के लिए सबसे अच्छा विकल्प लगता है। कठोर, लेकिन व्यावहारिक। सबसे विवादास्पद सेल्कुक बयारकतार हैं, जो रूसी संघ के खिलाफ पश्चिमी गठबंधन के पैरोकार हैं।

वह साल 1994 था, जब एर्दोआन इस्तांबुल के मेयर बने, जबकि उनके अब कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एक्रेम इमामोग्लू ने व्यवसाय प्रशासन संकाय से स्नातक किया। इमामोग्लू और एर्दोआन ने अपने राजनीतिक करियर को एक जैसे तरीके से बनाया है। दोनों इस्तांबुल के मेयर रहे हैं, और दोनों ही उस पद पर रहते जेल गए हैं। एर्दोआन 1994 में इस्तांबुल के मेयर बने, लेकिन पांच साल बाद एक राजनीतिक रैली में राष्ट्रवादी कविता- मीनारें हमारी संगीनें हैं और गुंबद हमारे हेलमेट हैं। पढ़ने के बाद धार्मिक नफरत भड़काने के आरोप में उन्हें जेल भेज दिया गया। उस समय धर्मनिरपेक्ष अदालतों ने कविता को एक खतरे के रूप में देखा था। राष्ट्रपति बनने से पहले एर्दोआन प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने 20 से ज्यादा वर्षों तक तुर्की पर कब्जा बनाए रखा और वहां के लोकतंत्र पर अपनी पकड़ मजबूत की। और एर्दोआन के ही रास्ते पर चलते हुए इमामोग्लू तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल के मेयर बने। इमामोग्लू लंबे समय से अपनी पार्टी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के नेता रहे हैं और अब उन्हें एर्दोआन का सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी माना जाता है।

19 मार्च, 2025 को, इस्तांबुल के मेयर और विपक्षी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एक्रेम इमामोग्लू को फर्जी डिग्री, भ्रष्टाचार, जबरन वसूली, रिश्वतखोरी, धन शोधन और आतंकवाद, विशेष रूप से पीकेके का समर्थन करने के संदेह में तुर्की पुलिस ने हिरासत में लिया था। तुर्की में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए, उम्मीदवार द्वारा उच्च शिक्षा पूरी कर ली होनी चाहिए। लेकिन 18 मार्च को, देश की विपक्षी पार्टी द्वारा इमामोग्लू को अपना राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करने और एर्दोआन के खिलाफ आधिकारिक चुनाव लड़ने से कुछ ही दिन पहले, उनकी डिग्री रद्द कर दी गई। इस गिरफ्तारी के बाद देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दो हजार से अधिक लोग गिरफ्तार हुए, जिनमें से अधिकांश अभी जेल में हैं। लोगों ने राष्ट्रपति एर्दोआन की डिग्री को भी जुगाड़ वाला बताया। राष्ट्रपति एर्दोआन की आधिकारिक जीवनी, 'एक्सटर्नल', में लिखा है कि उन्होंने 1981 में मरमरा विश्वविद्यालय के आर्थिक और वाणिज्यिक विज्ञान संकाय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। लेकिन हाल के दिनों में तुर्की ने ट्विटर पर (या तो अपनी डिग्री दिखाओ या फिर इस्तीफा) वायरल करते हुए राष्ट्रपति पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। इस हैशटैग का इस्तेमाल करके हजारों री-ट्वीट किए गए हैं।

एक म्यूजिक वीडियो भी है, जिसमें राष्ट्रपति से अपनी उच्च शिक्षा का प्रमाण प्रस्तुत करने का आह्वान किया गया है। राष्ट्रपति एर्दोआन को इस मामले में मरमरा विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से कोई मदद नहीं मिली है, जहां बताया गया है कि उपरोक्त संकाय कभी अस्तित्व में ही नहीं था, बल्कि आर्थिक एवं प्रशासनिक विज्ञान संकाय की स्थापना 1982 में हुई थी।एर्दोआन की डिग्री की प्रामाणिकता पर संदेह सबसे पहले 2014 में, उनके राष्ट्रपति चुने जाने से पहले, एक विपक्षी सांसद ने जताया था, जिसमें दावा किया गया था कि 2014 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मरमरा विश्वविद्यालय के अभिलेखागार बंद कर दिए गए थे। और पिछले कुछ दिनों में पुरानी रिपोर्टों के फिर से साझा होने के परिणामस्वरूप यह चर्चा फिर से शुरू हो गई है, जिसमें कहा गया है कि मरमरा विश्वविद्यालय के अभिलेखागार फिर से खोल दिए गए हैं।

डायबिटीज

में सिर्फ 10 मिनट ये योग करने से मिलेगी राहत

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जो धीरे-धीरे शरीर को भीतर से कमजोर कर देती है। यह समस्या तब होती है जब शरीर में इंसुलिन का उत्पादन या उपयोग सही तरीके से नहीं होता। हालांकि यह जीवनभर चलने वाली बीमारी है, लेकिन सही जीवनशैली, आहार और नियमित योगाभ्यास से इसे नियंत्रण में रखा जा सकता है। योग न सिर्फ मानसिक शांति देता है बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म, हार्मोन संतुलन और ब्लड शुगर को भी नियंत्रित करता है। नियमित सुबह कुछ योग करने से शुगर का स्तर काबू में रहता है। बिना दवा या इंसुलिन डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए डॉक्टर की सलाह के अनुसार योग कर सकते हैं। अधिकतम और जल्द लाभ पाने के लिए योग के साथ संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी जरूरी है।

मंडूकासन

मंडूकासन का अभ्यास डायबिटीज के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है क्योंकि यह पैंक्रियाज को उत्तेजित करता है। इससे इंसुलिन का प्राकृतिक उत्पादन बेहतर होता है। दिन में दो बार मंडूकासन का अभ्यास करने से डायबिटीज के मरीजों में काफी फर्क दिखता है।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति प्राणायाम शक्तिशाली श्वास तकनीक है जो ब्लड शुगर लेवल को जल्दी नियंत्रित करती है। इसका अभ्यास पेट की चर्बी कम करने में मददगार है, साथ ही इसके अभ्यास से टाइप-2 डायबिटीज को नियंत्रित किया जा सकता है। कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास प्रतिदिन पांच से 10 मिनट रोजाना करें। इसका अभ्यास करने के लिए रीढ़ की हड्डी को सीधा करके आराम से बैठ जाएं। अपने हाथों को घुटनों पर रखें और हथेलियां आसमान की ओर खुली रहें। अब गहरी सांस अंदर लें। जैसे ही आप सांस छोड़ते हैं, अपनी नाभि को वापस रीढ़ की ओर खींचें। पेट की मांसपेशियों के संकुचन को महसूस करने के लिए आप अपना दाहिना हाथ पेट पर रख सकते हैं। एक चक्र पूरा करने के लिए ऐसी 20 सांसें लें। एक चक्र के बाद, अपनी आंखें बंद करके आराम करें और अपने शरीर में संवेदनाओं का निरीक्षण करें।

धनुरासन

इस योगासन में शरीर धनुष की तरह दिखाई देता है। यह आंतरिक अंगों पर सकारात्मक दबाव डालता है और पैंक्रियाज को टोन करता है। रोज 15 से 20 सेकंड धनुरासन के दो सेट का अभ्यास पर्याप्त है। धनुरासन में पीछे की ओर झुकाव (डीप बैकबेंड) शामिल होता है, इससे पैंक्रियाज और आसपास के अंगों में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से समय के साथ पैंक्रियाज के कार्य और इंसुलिन संवेदनशीलता को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। धनुरासन का नियमित अभ्यास डायबिटीज वाले लोगों में ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।

वज्रासन

खाना खाने के बाद वज्रासन का अभ्यास सबसे ज्यादा फायदेमंद है। यह आसन पाचन को सुधारता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसे दिन में दो बार 5-10 मिनट तक किया जा सकता है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

अर्ध मत्स्येन्द्रासन आसन पैंक्रियास को सक्रिय करता है और इंसुलिन के स्राव को संतुलित करता है। अर्ध मत्स्येन्द्रासन का अभ्यास लिवर और किडनी की कार्यक्षमता भी बढ़ाता है। इसे सुबह खाली पेट करना सबसे अच्छा होता है। इस वक्तकरने से सबसे ज्यादा लाभ होता है।

हंसना मना है

महिला- भैया ऐसी साड़ी दिखाओ देखकर देवरानी जलकर राख हो जाए, दुकानदार- बहनजी ऐसी साड़ी एक ही थी, वो अभी अभी आपकी देवरानी ले गयी!

टीटी ने चिंटू को प्लेटफॉर्म पर पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं.... दूसरो के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं...बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है.... बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

दो बीवीयां मेले में खो गईं, एक गांव से और एक शहर से.. बीवी ढूंढते हुए दोनों पुरुष आपस में मिले..गांव वाले ने पूछा-तुम्हारी वाली की पहचान? शहरी बोला- 5'7?, गोरी, भूरी आंखें, पतली, पिंक टीशर्ट और मिनी स्कर्ट पहनी है आलिया भट्ट जैसी और तुम्हारी? गांव वाला-बोला, हमारी छोड़ो चलो तुम्हारी ढूंढते है..!

कहानी — चांद पर खरगोश

बहुत समय पहले गंगा किनारे एक जंगल में चार दोस्त रहते थे, खरगोश, सियार, बंदर और ऊदबिलाव। इन सभी दोस्तों की एक ही चाहत थी, सबसे बड़ा दानवीर बनना। एक दिन चारों ने एक साथ फैसला लिया कि वो कुछ-न-कुछ ऐसा ढूंढकर लाएंगे, जिसे वो दान कर सकें। परम दान करने के लिए चारों मित्र अपने-अपने घर से निकल गए। ऊदबिलाव गंगा तट से लाल रंग की सात मछलियां लेकर आ गया। सियार दही से भरी हांडी और मांस का टुकड़ा लेकर आया। उसके बाद बंदर उछलता-कूदता बाग से आम के गुच्छे लेकर आया। दिन ढलने को था, लेकिन खरगोश को कुछ नहीं समझ आया। उसने सोचा अगर वो घास का दान करेगा, तो उसे दान का कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह सोचते-सोचते खरगोश खाली हाथ वापस चला गया। खरगोश को खाली हाथ लौटते देख उससे तीनों मित्रों ने पूछा, अरें! तुम क्या दान करोगे? आज ही के दिन दान करने से महादान का लाभ मिलेगा, पता है न तुम्हें। खरगोश ने कहा, हां, मुझे पता है, इसलिए आज मैंने खुद को दान करने का फैसला लिया है। यह सुनकर खरगोश के सारे दोस्त हैरान हो गए। जैसे ही इस बात की खबर इंद्र देवता तक पहुंची, तो वो सीधे धरती पर आ गए। इंद्र साधु का भेष बनाकर चारों मित्रों के पास पहुंचे। पहले सियार, बंदर और ऊदबिलाव ने दान दिया। फिर खरगोश के पास इंद्र देवता पहुंचे और कहा तुम क्या दान दोगे। खरगोश ने बताया कि वो खुद को दान कर रहा है। इतना सुनते ही इंद्र देव ने वहां अपनी शक्ति से आग जलाई और खरगोश को उसके अंदर समाने के लिए कहा। खरगोश हिम्मत करके आग के अंदर घुस गया। इंद्र यह देखकर हैरान रह गए। उनके मन में हुआ कि खरगोश सही में बहुत बड़ा दानी है और इंद्र देव यह देख बहुत खुश हुए। उधर, खरगोश आग में भी सही सलामत खड़ा था। तब इंद्र देव ने कहा, मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। यह आग मायावी है, इसलिए इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। इतना कहने के बाद इंद्र देव ने खरगोश को आशीर्वाद देते हुए कहा, तुम्हारे इस दान को पूरी दुनिया हमेशा याद करेगी। मैं तुम्हारे शरीर का निशान चांद पर बनाऊंगा। इतना कहते ही इंद्र देव ने चांद में एक पर्वत को मसलकर खरगोश का निशान बना दिया। तब से ही मान्यता है कि चांद पर खरगोश के निशान हैं और इसी तरह चांद तक पहुंचे बिना ही, चांद पर खरगोश की छाप पहुंच गई।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ — स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन — पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क — घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह — प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला — उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। भाग्य का साथ मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु — अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ — रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन — क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

ऋषि कपूर के एक ट्वीट से लोग मुझे समझने लगे थे उनकी नाजायज बेटी : ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना इन दिनों अपने नए टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो के नए एपिसोड में आलिया भट्ट और वरुण धवन मेहमान के तौर पर नजर आए। इस दौरान वरुण-आलिया के साथ ट्विंकल और काजोल ने काफी मस्ती की। इसी दौरान ट्विंकल खन्ना ने ऋषि कपूर से जुड़ा खुद को लेकर एक बड़ा खुलासा भी किया। ये अब चर्चा का विषय बना हुआ है। शो पर ट्विंकल ने वर्षों पहले ऋषि कपूर द्वारा जन्मदिन पर दी गई शुभकामनाओं को याद किया। जिसके बाद लोगों को ये लगा था कि ट्विंकल ऋषि कपूर की नाजायज बेटी हैं। ये गलतफहमी ऋषि कपूर की अजीबोगरीब शुभकामनाओं की वजह से हुई थी। ट्विंकल ने मजाकिया अंदाज में बताया, 'आलिया के ससुर की वजह से मैं लगभग कपूर बन ही गई थी। मेरे जन्मदिन पर उन्होंने बड़ी उदारता से ट्वीट किया, अरे, पता है... जब तुम अपनी मां के पेट में थीं, तब मैंने उनके लिए गाना गाया था। इसलिए सबको लगा कि मैं उनकी नाजायज बेटी हूं।' ट्विंकल ने बताया कि ऋषि कपूर की इस मजाकिया शुभकामना की वजह से ये गलतफहमी काफी ज्यादा फैल गई थी। लोगों के बीच एक भ्रम की स्थिति भी पैदा हो गई थी। आलम ये हो गया था कि ऋषि कपूर को खुद आगे आकर अपनी टिप्पणी पर सफाई देनी पड़ी थी। बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए ट्वीट किया और समझाया 'जन्मदिन मुबारक हो। 1973 में 'बॉबी' में जब मैं तुम्हारी मां के लिए गाना गा रहा था, तब तुम उनके पेट में थीं।' शो के दौरान जब ट्विंकल किस्सा सुना रही थीं, तो काजोल ने आलिया के अजीब हाव-भाव की ओर इशारा किया। ट्विंकल ने भी इसे नोटिस किया और हंसते हुए आलिया से कहा, 'मैं तुम्हारी ननद नहीं हूं, यह एक गलती थी।'

मास्टरपीस फिल्म है कांतारा चैप्टर 1 : संदीप रेड्डी वांगा

ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म कांतारा चैप्टर 1 गुरुवार को थिएटर्स में रिलीज हुई। इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों द्वारा सराहना मिल रही है। इसके अलावा मनोरंजन जगत के सितारे भी अभिनेता और उनकी फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। शुक्रवार को निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने कांतारा चैप्टर 1 को मास्टरपीस बताते हुए एक पोस्ट किया है। चलिए जानते हैं डायरेक्टर ने क्या कहा।

मशहूर निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने कांतारा चैप्टर 1 और ऋषभ शेट्टी की

तारीफ की है। उन्होंने लिखा, कांतारा चैप्टर 1 एक मास्टरपीस फिल्म है। भारतीय सिनेमा ने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। यह एक सिनेमाई तूफान है, दिव्य और अडिग रहने वाला। ऋषभ शेट्टी ने वन-मैन शो पेश किया है, जिसे उन्होंने अकेले ही गढ़ा और निभाया है।' इसके साथ ही निर्देशक ने फिल्म के बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए अजनीश लोकनाथ को विशेष धन्यवाद दिया।

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के इस ट्वीट पर अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पोस्ट के जवाब में लिखा, 'धन्यवाद भाई।' इसके साथ ही उन्होंने लाल दिल वाला इमोजी भी बनाया है।

ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित और अभिनीत कांतारा चैप्टर 1 ने बॉक्स पर शानदार शुरुआत करते हुए पहले दिन 60 करोड़ रुपये कमाए। इस फिल्म को दर्शकों द्वारा खूब प्यार मिल रहा है। अब इस वीकएंड फिल्म की कमाई में और बढ़त देखने को मिल सकती है।

शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग

शरवरी वाघ ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली कर रहे हैं। उनके साथ शरवरी वाघ की अगली फिल्म ने पहले ही फैंस के बीच धूम मचा दी है। वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग दशहरे के शुभ अवसर पर शुरू हुई है। इस मौके पर अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है।

शरवरी वाघ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा सरस्वती पूजा के वक्त घर पर नहीं रह सकी। इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं! एक बहुत ही खास निर्देशक और टीम के साथ एक बहुत ही खास फिल्म की शूटिंग शुरू। पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट और फूलों की तस्वीर भी शेयर की।

जन्मदिन पर हुआ फिल्म का एलान

आपको बता दें कि जून में शरवरी के जन्मदिन पर, इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस पल को याद करते हुए उन्होंने उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इसे अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन बताया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनका लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने की इच्छा रखती थी। शरवरी वाघ ने साल 2021 में रिलीज हुई फिल्म बंटी और बबली 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसमें रानी मुखर्जी, सैफ अली खान और सिद्धांत चतुर्वेदी ने भी अभिनय किया था। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं। इसमें शरवरी वाघ के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी। शरवरी वाघ जल्द ही आलिया भट्ट और बॉबी देओल के साथ फिल्म अल्फा में दिखाई देंगी।

अजब-गजब | ये है भारत का अनोखा एयरपोर्ट

इस एयरपोर्ट पर खड़ी है फ्लाइट, फिर भी आज तक कोई यात्री नहीं उड़ा

हैदराबाद। एक एयरपोर्ट ऐसा भी है जहां न तो कोई यात्री उतरता है, न ही कोई विमान उड़ान भरता है फिर भी यह फिल्मी सितारों और पर्यटकों के बीच बेहद मशहूर है। यह अनोखा एयरपोर्ट भारत में है वो भी हैदराबाद की विश्वप्रसिद्ध रामोजी फिल्म सिटी में स्थित एक शानदार सेट के रूप में जहां सैकड़ों फिल्में शूट हुई है।

यह कोई वास्तविक एयरपोर्ट नहीं बल्कि फिल्म निर्माताओं के लिए विशेष रूप से बनाया गया एक फंक्शनल फिल्म सेट है। यहां आप रनवे, एयरपोर्ट टर्मिनल, एयर-ट्रफिक कंट्रोल टावर और यहां तक कि एक पूरा विमान भी देख सकते हैं लेकिन यह सब सिनेमा के जादू के लिए तैयार किया गया है। देश की तमाम बड़ी फिल्मों में एयरपोर्ट या विमान के दृश्य अक्सर इसी सेट पर फिल्माएं जाते हैं। फिल्मकार बस एयरपोर्ट के नाम का बोर्ड बदल देते हैं, और पल भर में यह सेट दिल्ली, मुंबई या कोई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बन जाता है। इस सेट की खासियत इसकी असली जैसी बनावट है। एयरपोर्ट लॉबी से लेकर एक पूरे

विमान के अंदरूनी हिस्से तक, हर चीज इतनी सटीक बनाई गई है कि दर्शकों को कभी अंदाजा नहीं होता कि यह कोई सेट है। विमान के अंदर की सीटें, ओवरहेड बिन्स सब कुछ वास्तविक विमान जैसा ही है। रामोजी फिल्म सिटी में आने वाले पर्यटक इस अनोखे एयरपोर्ट सेट को देख सकते हैं और उस विमान के अंदर बैठकर तस्वीरें खिंचवा सकते हैं, जिसमें उनके चहेते सितारे अक्सर फिल्मांकन करते नजर आते हैं।

हैदराबाद पहुंचकर आप बस, कैब या ऑटो रिक्शा से फिल्म सिटी तक आसानी से पहुंच सकते हैं। फिल्म सिटी में प्रवेश के लिए टिकट की कीमत लगभग 1950 रुपये से शुरू होती है, जिसमें फिल्म सिटी के सभी आकर्षण शामिल होते हैं। बच्चों, स्टूडेंट्स और समूहों के लिए विशेष छूट उपलब्ध है। कैमरा ले जाने के लिए अलग से शुल्क लग सकता है।

यूपी के इस गांव में हैं रावण का आशीर्वाद! दशहरे पर दहन नहीं बल्कि होता है पूजन

दशहरा आते ही पूरे देश में जगह-जगह रावण दहन की तैयारियां होती हैं। जगह-जगह पंडाल सजते हैं, रामलीलाएं होती हैं और शाम होते-होते विशालकाय रावण पुतले को जलाकर बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक मनाया जाता है। लेकिन चित्रकूट जिले में एक ऐसा गांव है जहां इस परंपरा को बिल्कुल उल्टा निभाया जाता है, यहां रावण को जलाया नहीं जाता बल्कि उसकी पूजा-अर्चना की जाती है। बता दें कि यह अनोखी परंपरा चित्रकूट के रैपुरा गांव में निभाई जाती है। बताया जाता है कि गांव के बाहर मुख्य सड़क किनारे रावण की करीब ढाई सौ साल पुरानी प्रतिमा स्थापित है। दशहरे के दिन यहां लोग सुबह-सुबह रावण की मूर्ति की विधि-विधान से पूजा करते हैं। फूल चढ़ाते हैं और नारियल फोड़ते हैं, ग्रामीणों का मानना है कि वे रावण की अच्छाइयों की पूजा करते हैं, न कि उसकी बुराइयों की। आज के दिन यहां रामलीला भी होती है। गांव के लोगों ने बताया कि कि रावण सिर्फ एक राक्षस नहीं बल्कि एक महान ब्राह्मण और शिवभक्त भी था, जिसने वेद-पुराणों का गहन अध्ययन किया था। इसी कारण रैपुरा गांव में रावण को देवता के समान माना जाता है, ग्रामीणों का यह भी दावा है कि रावण की प्रतिमा स्थापित होने के बाद से गांव में समृद्धि आई है। यहां के कई लोग आईएएस, पीसीएस और सरकारी सेवाओं में पदस्थ हैं, जिसे वे रावण के आशीर्वाद का परिणाम मानते हैं। गांव के प्रधान जगदीश पटेल ने बताया कि हमारे यहां दशहरे के दिन रावण दहन नहीं किया जाता। उसकी पूजा होती है और रामलीला के मंचन में केवल प्रतीकात्मक वध किया जाता है, लेकिन मूर्ति को जलाया नहीं जाता क्योंकि रावण एक ब्राह्मण था, और हमारे लिए वह ज्ञान और शक्ति का प्रतीक है। रैपुरा गांव की यह अनूठी परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है।

बुलडोजर से नहीं कानून से चलता है भारत : गवई

» मॉरीशस में सबसे बड़े लोकतंत्र में कानून का शासन विषय पर बोले सीजेआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। मॉरीशस में सबसे बड़े लोकतंत्र में कानून का शासन विषय पर सर मौरिस रॉल्ट स्मृति व्याख्यान 2025 का उद्घाटन करते हुए उन्होंने बुलडोजर न्याय की निंदा करने वाले अपने ही फैसले का उल्लेख किया। प्रख्यात न्यायविद सर मौरिस रॉल्ट 1978 से 1982 तक मॉरीशस के प्रधान न्यायाधीश थे।

कानून के शासन का सिद्धांत और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसकी व्यापक व्याख्या पर प्रकाश डालते हुए जस्टिस गवई ने कहा, इस फैसले ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय न्याय व्यवस्था बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। जस्टिस गवई मॉरीशस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

बुलडोजर न्याय मामले में दिए गए फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कथित अपराधों को लेकर अभियुक्तों के घरों को गिराना कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करता है, कानून के शासन का उल्लंघन करता है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आश्रय के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि यह भी माना गया कि कार्यपालिका अन्य भूमिका नहीं निभा सकती। अपने संबोधन में चीफ जस्टिस ने 1973 के केशवानंद भारती मामला सहित सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न ऐतिहासिक फैसलों का उल्लेख किया। जस्टिस गवई ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में, ऐतिहासिक अन्याय के निवारण के लिए कानून बनाए गए हैं और हाशिए पर पड़े समुदायों ने अपने अधिकारों का दावा करने के लिए अक्सर इनका और कानून के शासन की भाषा का सहारा लिया है।

बुलडोजर न्याय कानून का उल्लंघन

चीफ जस्टिस ने तीन तलाक का किया जिक्र

राजनीतिक क्षेत्र में, कानून का शासन सुशासन और सामाजिक प्रगति के मानक के रूप में कार्य करता है, जो कुशासन और अराजकता के बिल्कुल विपरीत है। महात्मा गांधी और बीआर आंबेडकर के योगदान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने प्रदर्शित किया कि भारत में कानून का शासन केवल नियमों का समूह नहीं है। उन्होंने हाल के उल्लेखनीय फैसलों का उल्लेख किया, जिनमें मुसलमानों में तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करने वाला फैसला भी शामिल है। जस्टिस गवई ने उस फैसले के महत्व पर भी जोर दिया जिसमें निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया है।

अभिनेता से नेता बने विजय को हाईकोर्ट की फटकार

» न्यायाधीश बोले- घटनास्थल से भागना मानसिकता दर्शाता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने करूर भगदड़ के सिलसिले में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) नेताओं को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि पार्टी प्रमुख विजय घटनास्थल से भाग गए और पार्टी ने खेद भी नहीं जताया। अदालत ने इस तरह के आचरण की कड़ी निंदा की, खासकर जब महिलाओं और बच्चों की मौत हुई हो। अदालत ने कहा कि यह अभिनेता-राजनेता कीमानसिक स्थिति को दर्शाता है। न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार ने कहा कि भगदड़, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई, को ठीक से नहीं संभाला गया था और कहा कि राज्य विजय के प्रति नरमी बरत रहा है। न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार ने आयोजकों और पुलिस, दोनों से ज़िम्मेदारी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि एक कार्यक्रम आयोजक होने के नाते, क्या आपकी कोई जिम्मेदारी नहीं है?

अदालत ने विजय के प्रति राज्य की नरमी पर नाराजगी जताई और कहा कि घटना के समय वह मौके से गायब हो गया था। पीठ ने घटना की जांच के लिए आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग की अध्यक्षता में एक एसआईटी के गठन का आदेश दिया, जबकि टीवीके नेता बुस्सी आनंद और सीटीआर निर्मल कुमार द्वारा दायर अग्रिम ज़मानत याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रखा। अग्रिम जमानत से संबंधित सुनवाई में राज्य ने तर्क दिया कि भगदड़ पार्टी के अपने कार्यकर्ताओं के आचरण के कारण हुई थी और कहा कि नेताओं ने गैर-ज़िम्मेदाराना व्यवहार किया था। पीठ ने कहा कि एक बड़ी मानव निर्मित आपदा के कारण 41 निर्दोष लोगों की मौत हुई है। साथ ही, पीठ ने कहा कि अदालत अपनी आंखें बंद नहीं कर सकती, मूकदर्शक नहीं बन सकती या अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती।

पूर्व सीएम हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष की मान्यता

» हरियाणा विस सचिवालय ने अधिसूचना की जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद आखिरकार तय हो गया है। हरियाणा विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा को 15वीं विधानसभा का नेता प्रतिपक्ष मान्यता दी है। यह आदेश विधानसभा अध्यक्ष ने नियम-2, कार्य संचालन एवं व्यवसाय आचरण नियमावली के तहत जारी किया है। अधिसूचना 3 अक्तूबर 2025 से प्रभावी होगी।

विधानसभा सचिवालय के सचिव राजीव प्रसाद की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इस संबंध में सूचना हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजनीतिक व संसदीय कार्य विभाग) समेत सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों और लेखा परीक्षकों को भेज दी गई है। इसके अलावा अधिसूचना की प्रति सभी विधायकों और मान्यता प्राप्त पत्रकारों को भी उपलब्ध कराई गई है। इस निर्णय के साथ ही विधानसभा में कांग्रेस को अब आधिकारिक रूप से विपक्ष का नेता मिल गया है। लंबे समय से चल रही चर्चा और खींचतान के बाद हुड्डा को विपक्ष का चेहरा घोषित करने से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। कांग्रेस खेमे का मानना है कि हुड्डा के नेतृत्व में विधानसभा में विपक्ष और मजबूत होगा और सरकार को जनता से जुड़े मुद्दों पर घेरने की रणनीति को और धार मिलेगी। सूत्रों के मुताबिक अधिसूचना की प्रति हरियाणा सरकार के राजपत्र के विशेष अंक में भी प्रकाशित की जाएगी।

बंगाल में बाढ़ लाना चाहता था केंद्र : ममता

» केंद्र ने डीवीसी जलाशयों से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बंगाल के सीएम के आरोपों को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने दुर्गा पूजा के दौरान पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा करने के लिए डीवीसी द्वारा 'एकतरफा और जानबूझकर' पानी छोड़े जाने के राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि जो दावा किया गया है, वास्तव में उससे आधे से भी कम पानी छोड़ा गया है।

पाटिल ने दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति (डीवीआरआरसी) से प्राप्त जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि मैथन जलाशय से 42,500 क्यूसेक और पंचेत जलाशय से 27,500 क्यूसेक सहित कुल 70,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उन्होंने कहा, यह 1,50,000 क्यूसेक नहीं है जैसा कि पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया है।' पाटिल ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि डीवीआरआरसी जलाशय संचालन के लिए 'दामोदर घाटी जलाशय विनियमन नियमावली' के तहत एक ''व्यवस्थित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण' का पालन करता है। उन्होंने कहा कि पानी छोड़ने से पहले समिति ने राज्य के सिंचाई और जलमार्ग निदेशालय से विचार मांगे थे, लेकिन उनसे 'कोई टिप्पणी या जानकारी प्राप्त नहीं हुई।' मंत्री ने यह भी कहा कि निचले दामोदर क्षेत्र में स्थिति सामान्य बनी हुई है तथा हुगली जिले के हरिनखोला में जल स्तर चेतावनी सीमा से नीचे बना हुआ है।

त्योहारों के दौरान डीवीसी ने छोड़ा 1.5 लाख क्यूसेक से अधिक पानी

बनर्जी ने आरोप लगाया था कि डीवीसी ने ''त्योहारों के दौरान हमारे पश्चिम बंगाल में बाढ़ लाने के लिए'' 1.5 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा है और उन्होंने इसे त्योहारों के मौसम में लाखों लोगों को परेशान करने की ''जानबूझकर की गई साजिश'' बताया था। उन्होंने पानी छोड़े जाने को ''शर्मनाक, असहनीय और अस्वीकार्य'' बताते हुए विरोध दर्ज कराया था।

केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कांग्रेस महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर मुलाकात की। हाल ही में खरगे की पेसमेकर सर्जरी हुई थी। मुलाकात के बाद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि खरगे की सेहत में सुधार हो रहा है, चूंकि वह एक मेहनती नेता हैं, इसलिए हमने उनसे आराम करने का अनुरोध किया है।

हमने खरगे से मुलाकात की, जो स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इलाज करा रहे हैं और उनका हालचाल जाना अब उनकी सेहत में सुधार हो रहा है हमारे अध्यक्ष एक अथक कार्यकर्ता हैं - वह पार्टी के लिए 24 घंटे काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी उनकी उपस्थिति की आवश्यकता होती है, वह पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए जाते हैं।

आज होगी चयन समिति की बैठक!

» ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित -कोहली की वापसी पर नजरें

» गिल, बुमराह और कुलदीप के वर्कलोड पर रहेगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस महीने होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए शनिवार को अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति की बैठक हो सकती है। इस समिति में पहली बार आरपी सिंह और प्रज्ञान ओझा भी शामिल हैं। बैठक का एजेंडा ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे और टी20 टीम का चयन करना है।

चयनकर्ता वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के दौरान वनडे टीम का चयन करेंगे, लेकिन घोषणा मैच के बाद हो सकती है। सूत्रों की मानें तो रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे टीम में वापसी हो सकती है। रोहित और कोहली ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। ये दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे में ही खेलते हैं। शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव ये तीन ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके वर्कलोड पर नजर रहेगी। 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए ये जरूरी है कि इनके वर्कलोड को प्रबंध किया जाए। ऐसे में हो सकता है कि इन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे से आराम दिया जाए। अगर गिल, बुमराह और कुलदीप को वनडे टीम में चुना जाता है तो टी20 सीरीज से पहले टीम से रिलीज किया जा सकता है। अगर गिल को वनडे से आराम मिला तो यशस्वी जायसवाल उनकी जगह ले सकते हैं, जबकि टी20 में अभिषेक शर्मा के साथ टी20 में ओपनिंग करने भी उतर सकते हैं। भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्तूबर से पहले वनडे के साथ शुरू होगा। सीरीज के अगले दो मुकाबले 23 और 25 अक्तूबर को खेला जाएंगे। इसके बाद 29 अक्तूबर से आठ नवंबर तक पांच मौचों की टी20 सीरीज होगी।

जुरेल शतक जड़ने वाले 12वें भारतीय विकेटकीपर बने

अहमदाबाद। भारत के ध्रुव जुरेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में शतक लगाया। जुरेल ने 190 गेंदों पर अपने टेस्ट करियर का पहला सैकड़ा पूरा किया। जुरेल को चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह वेस्टइंडीज सीरीज के लिए मौका मिला और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। जुरेल 12वें भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज हैं जिन्होंने टेस्ट में शतक लगाया है। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से पांच खिलाड़ियों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ही अपने करियर का पहला शतक लगाया है। जुरेल से पहले विजय मांजरेकर, फारुख इंजीनियर, अजय रात्रा और ऋद्धिमान साहा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट लगाया था। (ध्रुव धोनी की तरह भारतीय टीम की कप्तानी भी करना चाहते हैं। विकेट के पीछे धैर्य और चतुराई के साथ विपक्षी बल्लेबाजों को फंसाने में उन्हें महारत हासिल है। वहीं, बल्लेबाजी में वह एबी डिविलियर्स को अपना आदर्श मानते हैं। फिटनेस के मामले में जुरेल विराट कोहली के कायल हैं।

कफ सिरप बनी बच्चों की आफत, मौत पर सियासत

बच्चों के मरने पर स्वास्थ्य मंत्री ने ठहराई माताओं की जिम्मेदारी, बेनीवाल ने भाजपा सरकार को घेरा, तमिलनाडु सरकार ने कुछ कफ सिरप पर रोक लगाई

» केंद्र सरकार ने भी राज्यों को जारी की एडवाइजरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। भाजपा शसित राज्य मप्र व राजस्थान में कप सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद सियासत गरमा गई। दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। इस घटना के बाद विपक्ष के निशाने पर वहां की सरकारें आ गईं हैं। उधर तमिलनाडु सरकार ने कुछ कफ सिरप पर रोक लगा दी है। इन घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने भी राज्यों को एडवाइजरी जारी कर दिया है।

राजस्थान के सीकर, भरतपुर, बांसवाड़ा और जयपुर समेत कई जिलों में दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों ने स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। अब तक कम से कम 2 मासूमों की जान जा चुकी है और कई की हालत बिगड़ी हुई है। सिरप पीने के बाद उल्टी, दस्त, सांस लेने में तकलीफ और किडनी फेलियर जैसे लक्षण सामने आए। भिभावकों का कहना है कि यह दवा सरकारी डॉक्टरों की सलाह पर दी गई थी।

जांच और कार्रवाई की कवायद

घटनाओं के बाद राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सिरप के 19 बैचों पर रोक लगा दी। ड्रग कंट्रोलर ने उपयोग और वितरण पर तुरंत प्रतिबंध लगाया। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों व डॉक्टरों को सतर्क रहने की सलाह दी है। तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी गई है, जबकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी मामले की निगरानी शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य मंत्री का बयान और विवाद गहराया

इस विवाद के बीच चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि जिन बच्चों की हालत बिगड़ी या जिनकी मौत हुई, उनकी माताओं ने दवा कहीं से खरीदकर या लाकर दी थी। यह हमारे सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों की सलाह पर नहीं दी गई। जब कोई मां-बाप खुद से दवा लाकर देते हैं, तो विभाग की क्या जिम्मेदारी? यह हमारे दायरे से बाहर है। मंत्री ने आगे जोड़ा कि जांच चल रही है और जयपुर लौटते ही और गहन जांच करवाएंगे। हालांकि ऑफ द रिकॉर्ड उन्होंने कहा कि अभी मैं कुछ नहीं कहूंगा। विभाग की रिपोर्ट पर ही कार्रवाई होगी। रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की बात होगी। मंत्री के इस बयान को लेकर विपक्ष का कहना है कि निशुल्क दवा योजना के तहत वितरित सिरप पर प्रतिबंध के बावजूद यह बाजार में कैसे पहुंचा, इसकी कोई स्पष्टता नहीं। आरएमएससीएल ने सिरप के बैचों पर रोक लगाई, लेकिन सरकारी केंद्रों पर स्टॉक की जांच में लापरवाही के आरोप लगे हैं। फिर भी मंत्री का बयान सुनकर अभिभावक आक्रोशित हैं।

हनुमान बेनीवाल ने उठाए गंभीर सवाल

नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने इस मुद्दे पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। बेनीवाल ने सोशल मीडिया और मीडिया ब्रीफिंग में मंत्री खींवसर पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अब तो मंत्री जी जाग जाओ। आपको पता ही नहीं कि आपके विभाग में क्या हो रहा है। मंत्री जी को खुद यह मालूम नहीं कि विभाग में क्या चल रहा है। बेनीवाल ने गुर्दे की चोरी के पुराने मामले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कुछ डॉक्टरों को निलंबित किया गया, लेकिन बाद में उन्हें वापस पोस्टिंग दे दी गई। अब यह कप सिरप का मामला। छह माह पहले जिस कंपनी को पूर्ण प्रतिबंध लगाया था, वही कंपनी दूसरा लेबल चिपकाकर बाजार में बेच रही है। यह सब सरकारी संरक्षण के बिना संभव नहीं।

एफआईआर दर्ज करवाकर कड़ी कार्रवाई की जाए

सांसद बेनीवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री से अपील की कि ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाकर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने तंज कसा कि हां, ठीक बात है कि आपके बड़े-बड़े रोजगार हैं, इसलिए आप भूल जाते हैं। आप राजा हो तो राजा-महाराजाओं को राजनीति नहीं करनी चाहिए, घर बैठना चाहिए।

मोहन यादव बोले-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कफ सिरप की बिक्री पर पूरे प्रदेश में प्रतिबंध लगा दिया है। इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है. सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सिरप बनाने वाली कंपनी और उसके उत्पादों की जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि, छिंदवाड़ा में कोल्डरिफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है. इस सिरप की बिक्री को पूरे मध्यप्रदेश में बैन कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सिरप बनाने वाली कंपनी के अन्य उत्पादों की बिक्री पर भी रोक लगाई जा रही है। इस सिरप का उत्पादन तमिलनाडु के कांचीपुरम में स्थित फैक्ट्री में किया जाता है। सीएम ने बताया कि सिरप बनाने वाली फैक्ट्री कांचीपुरम में है, इसलिए घटना के संज्ञान में आने के बाद राज्य सरकार ने तमिलनाडु सरकार को जांच के लिए कहा था आज सुबह जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। रिपोर्ट के आधार पर कड़ा एक्शन लिया गया है।

मप्र में नौ बच्चों ने गंवाई जान

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में पिछले दो हफ्तों में किडनी फेल होने से नौ बच्चों की मौत हो गई है। शुरुआत में इन मामलों को मौसमी बुखार माना जा रहा था, लेकिन राजस्थान में भी इसी तरह का मामला सामने आने के बाद अब स्वास्थ्य अधिकारियों को संदेह है कि अंग विफलता के ये मामले दूषित कफ सिरप के सेवन से जुड़े हैं। इन दुखद घटनाओं के बाद, डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड सिरप के कुछ बैचों की तत्काल जांच की गई और राज्य भर में उनके वितरण पर रोक लगा दी गई है।वर्तमान में, सर्दी, बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों वाले 1,420 बच्चों की सूची पर कड़ी नजर रखी जा रही है। यह प्रोटोकॉल तय किया गया है कि दो दिनों से ज्यादा समय तक बीमार रहने वाले किसी भी बच्चे को सिविल अस्पताल में छह घंटे निगरानी में रखा जाएगा। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया जाएगा। प्राइवेट डॉक्टरों को भी निर्देश दिया गया है कि वे वायरल रोगियों का निजी तौर पर इलाज न करें, बल्कि उन्हें सीधे सिविल अस्पताल भेजें। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि पीड़ितों पर किए गए पानी और मच्छर-संबंधी परीक्षण सामान्य रहे, और राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान को भेजा गया एक नमूना भी सामान्य पाया गया। ष्टस्ङ्खक्रद्वारा परीक्षण के लिए भेजे गए पानी के नमूनों की रिपोर्ट का इंतजार है।

चिराग बनें मुख्यमंत्री तो हमें सबसे ज्यादा खुशी होगी: पशुपति कुमार

» बिहार में एनडीए की स्थिति सही नहीं, बदलेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाजीपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने शनिवार को अपने भतीजे चिराग पासवान को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर चिराग पासवान बिहार के मुख्यमंत्री बनते हैं तो हमें सबसे ज्यादा खुशी होगी। वह हमारे घर का लड़का है, हमारा भतीजा है और इससे बड़ी खुशी हमें और किसको होगी।

पशुपति पारस ने कहा कि मुख्यमंत्री बन जाना अच्छी बात है, लेकिन यह तभी संभव है जब बिहार की जनता चाहेगी। जनता के हाथ में सुप्रीम पावर है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक-एक वोट की अहमियत होती है। एक वोट से ही देश का प्रधानमंत्री, संसद सदस्य और विधानसभा का सदस्य चुना जाता है। एनडीए और महागठबंधन की स्थिति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की स्थिति सही नहीं है। महागठबंधन के लोग और सामाजिक न्याय से जुड़े दल एकजुट हैं। हालांकि अभी महागठबंधन में सीट बंटवारे पर कोई बातचीत नहीं हुई है। चुनाव की घोषणा के बाद सीटों पर बात होगी।

पारस ने आरोप लगाया कि भारत सरकार के लोग चुनाव आयोग पर दबाव डालकर बिहार में 67 लाख लोगों को मौलिक अधिकार से वंचित कर रहे हैं। यह संविधान की अवहेलना है। इसी दौरान उन्होंने अपने पुत्र यश पासवान को लेकर भी बड़ा बयान दिया। पारस ने कहा कि यश पासवान इस बार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि जहां से वे खुद आठ बार विधायक और मंत्री रह चुके हैं, उसी अलौली विधानसभा क्षेत्र से यश पासवान चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वह लगातार क्षेत्र में मेहनत कर रहे हैं। हालांकि पारस ने साफ किया कि अंतिम फैसला पार्टी का होगा और जो भी सीट मिलेगी, उसी से चुनाव लड़ा जाएगा।

बिहार की जनता राजनीतिक रूप से बहुत जागरूक

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता बहुत राजनीतिक रूप से जागरूक है और यहां लोग हर फैसला सोच-समझकर लेते हैं। इसलिए बिहार की जनता जिसको वोट देगी वही मुख्यमंत्री बनेगा। अगर चिराग पासवान मुख्यमंत्री बनते हैं तो परिवार के लिए यह गर्व और खुशी की बात होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में जब लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए तब मतदाता सूची सही थी, फिर अब अचानक एसआईआर (स्पेशल समरी रिवीजन) की जरूरत क्यों पड़ी?

नेताओं को निष्पक्ष होकर बोलना चाहिए

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री और हम नेता जीतन राम मांझी के बयान पर भी पशुपति पारस ने प्रतिक्रिया दी। मांझी ने हाल ही में वोटर लिस्ट को गंगाजल की तरह शुद्धबताया था। इस पर जवाब देते हुए पारस ने कहा कि मांझी अभी सरकार में हैं इसलिए सरकार की ही बात करेंगे। लेकिन नेताओं को निष्पक्ष होकर बोलना चाहिए।

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को बेकाबू कार ने रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। गाजियाबाद में राकेश मार्ग पर शनिवार तड़के जबरदस्त हादसा हुआ। बेकाबू कार ने मॉर्निंग वॉक पर निकले कई लोगों को रौंद दिया। इसमें सावित्री देवी 60 वर्ष और 56 वर्षीय मीनू प्रजापति निवासी न्यू कोट गांव की मौत हो गई। जबकि विपिन शर्मा निवासी श्याम विहार कॉलोनी और न्यू कोट गांव निवासी कमलेश शर्मा घायल हो गए।

जिन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कमलेश शर्मा की मौत हो गई। एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि कार चालक की पहचान नेहरू नगर निवासी मंजुल के रूप में हुई है। वह भी घायल हुआ है। जानकारी मिली है कि वह बुलंदशहर से लौट रहा था। नींद की झपकी आने की वजह से यह हादसा हुआ।

उत्तर भारत में भारी बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में अक्टूबर की शुरुआत होते ही मौसम ने करवट ले ली है। भारतीय मौसम विभाग ने 4 से 7 अक्टूबर तक देशभर में भारी बारिश, आंधी-तूफान और बर्फबारी की चेतावनी दी है। कई राज्यों में येलो, ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों हल्की ठंडक और बादलों के बीच सुहाना मौसम बना हुआ है, लेकिन 6 अक्टूबर से मौसम का रुख बदलने वाला है। इस दौरान तेज बारिश और आंधी-तूफान की संभावना है। मौसम विभाग ने 7 अक्टूबर तक येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश का दौर जारी है. लखनऊ समेत कई जिलों में शुक्र वार रात जोरदार बारिश हुई। शनिवार को भी सुबह से बारिश हो रही है। शहर में जगह-जगह है जलभराव होने से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है।

महाराष्ट्र में साइक्लोन शक्ति का कहर

महाराष्ट्र में साइक्लोन शक्ति के खतरे को देखते हुए मौसम विभाग ने 3 से 7 अक्टूबर 2025 तक के लिए हाई अलर्ट जारी किया है. इस चक्रवात की तीव्रता उच्च से मध्यम स्तर की होगी। यह तटीय जिलों के साथ-साथ विदर्भ, मराठवाड़ा और कोकण क्षेत्रों में भारी तबाही मचा सकता है।

विस चुनाव की तैयारियां परखने पटना पहुंचे ज्ञानेश कुमार

» केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त ने की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) का एक प्रतिनिधिमंडल आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को पटना पहुंचा। टीम में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी शामिल हैं। चुनाव आयोग आमतौर पर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से कुछ दिन पहले ही चुनावी राज्यों का दौरा करता है।

बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है, इसलिए राज्य में चुनाव उस तारीख से पहले पूरे होने चाहिए। चुनाव आयोग ने अपने बिहार दौरे की शुरुआत राज्य में मान्यता प्राप्त 12 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके की। इस दौरे को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए, चुनाव आयोग ने ङ्ग पर कहा, मुख्य चुनाव

आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के नेतृत्व में चुनाव आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल आगामी बिहार विधानसभा चुनावों की चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के लिए आज पटना पहुँचा है।

चुनाव आयोग ने सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों के लिए एक ब्रीफिंग आयोजित की, जिन्हें बिहार विधानसभा चुनाव और कुछ उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया जाएगा। आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक में 287 आईएएस अधिकारी, 58 आईपीएस अधिकारी और आईआरएस, आईआरएएस, आईसीएएस और अन्य सेवाओं के 80 अधिकारियों सहित कुल 425 अधिकारी शामिल हुए। पर्यवेक्षकों को संबोधित करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उन्हें लोकतंत्र के प्रकाश स्तंभ बताया। उन्होंने केंद्रीय पर्यवेक्षकों को सभी चुनाव कानूनों, नियमों और दिशानिर्देशों से परिचित होने, प्रत्यक्ष क्षेत्रीय जानकारी प्रदान करने और उनका सख्त और निष्पक्ष अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पर्यवेक्षकों को यह भी कहा गया कि वे राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और मतदाताओं की शिकायतों का समाधान करने के लिए पूरी तरह से उपलब्ध रहें और मतदाताओं की सुविधा के लिए आयोग द्वारा हाल ही में की गई पहलों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों का दौरा करें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।